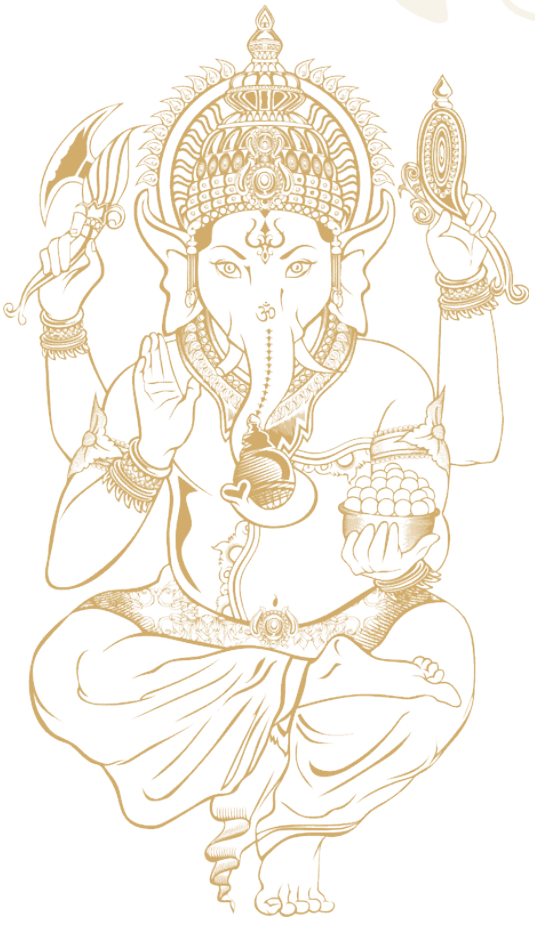

Jhalak

Jahanavi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121093912

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
02/08/1999	जन्म तिथि	26-27/08/2004
सोमवार	दिन	गुरु-शुक्रवार
घंटे 16:19:00	जन्म समय	00:35:06 घंटे
घटी 25:52:50	जन्म समय(घटी)	46:10:02 घटी
India	देश	India
Indore	स्थान	Indore
22:42:00 उत्तर	अक्षांश	22:42:00 उत्तर
75:54:00 पूर्व	रेखांश	75:54:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:24	स्थानिक संस्कार	-00:26:24 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
05:57:51	सूर्योदय	06:07:05
19:07:38	सूर्यास्त	18:48:44
23:50:53	चित्रपक्षीय अयनांश	23:55:11

विंशोत्तरी		अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी	
शनि 0वर्ष 5मा 2दि		04:35:23	धनु	लग्न	वृष	24:48:46	शुक्र 2वर्ष 4मा 26दि	
शुक्र		15:52:07	कर्क	सूर्य	सिंह	09:56:46	मंगल	
04/01/2024		16:22:08	मीन	चंद्र	धनु	25:03:47	22/01/2023	
04/01/2044		18:14:27	तुला	मंगल	सिंह	16:28:29	22/01/2030	
शुक्र	06/05/2027	05:25:51	कर्क व	बुध व	सिंह	04:40:26	मंगल	20/06/2023
सूर्य	05/05/2028	10:18:19	मेष	गुरु	सिंह	29:47:56	राहु	08/07/2024
चन्द्र	04/01/2030	11:03:31	सिंह व	शुक्र	मिथु	24:26:29	गुरु	14/06/2025
मंगल	06/03/2031	22:40:05	मेष	शनि	मिथु	28:56:37	शनि	23/07/2026
राहु	06/03/2034	19:06:13	कर्क	राहु व	मेष	10:10:15	बुध	21/07/2027
गुरु	04/11/2036	19:06:13	मक	केतु व	तुला	10:10:15	केतु	17/12/2027
शनि	04/01/2040	21:10:49	मक व	हर्ष व	कुंभ	10:56:04	शुक्र	15/02/2029
बुध	04/11/2042	08:56:13	मक व	नेप व	मक	19:31:35	सूर्य	23/06/2029
केतु	04/01/2044	13:57:52	वृश्चि व	प्लूटो व	वृश्चि	25:37:41	चन्द्र	22/01/2030

लग्न-चलित

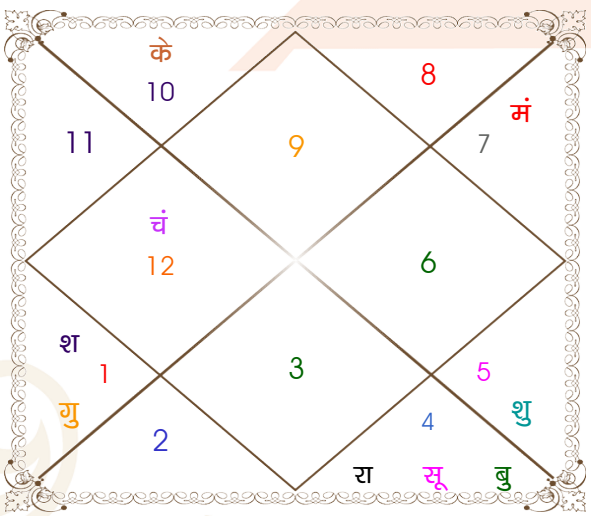

लग्न-चलित

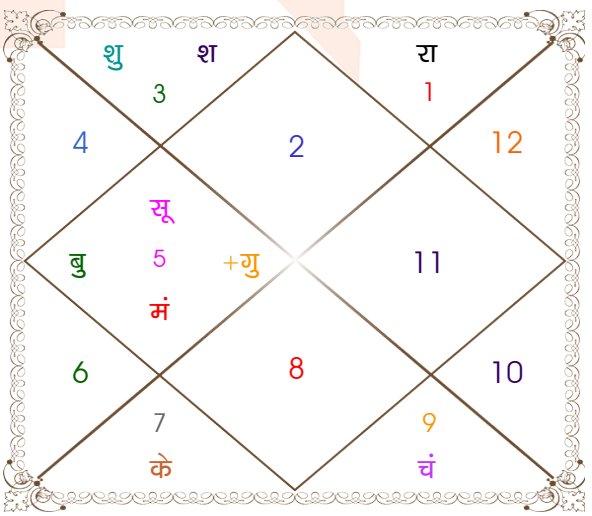

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	विप्र	क्षत्रिय	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	जलचर	चतुष्पाद	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	वध	क्षेम	3	1.50	--	भाग्य
योनि	गौ	वानर	4	2.00	--	यौन विचार
मैत्री	गुरु	गुरु	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	मनुष्य	मनुष्य	6	6.00	--	सामाजिकता
भकूट	मीन	धनु	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	मध्य	मध्य	8	0.00	हाँ	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	23.50		

Jhalak का वर्ग सिंह है तथा Jahanavi का वर्ग श्वान है। इन दोनों वर्गों में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार Jhalak और Jahanavi का मिलान औसत है।

मंगलीक दोष मिलान

Jhalak मंगलीक नही है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है।

Jahanavi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में चतुर्थ भाव में स्थित है।

कुजजीवो समायुक्तो युक्तो व कुजचन्द्रमा।
न मंगली मंगल राहु योग।

यदि मंगल-गुरु या मंगल-राहु या मंगल-चंद्र एक राशि में हों तो मंगली दोष भंग हो जाता है।

क्योंकि मंगल एवं गुरु Jahanavi कि कुण्डली में एक राशि में हैं अतः मंगलीक दोष प्रभावहीन हो जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि मंगल Jhalak कि कुण्डली में एकादश भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

Jhalak तथा Jahanavi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।